CH. CHARAN SINGH COLLEGE OF EDUCATION & TECHNOLOGY

SADARPUR MEERUT

SESSION - 2023 - 2024

B.Ed- Ist year

NAME - Kirtika Chaudhary / 24104587

CLASS - B.Ed Ist year

5 August

FILE NAME – Art & Aesthetics

Roll No.- 240562000030

SUBMITTED TO

Dr. Chhaya

SUBMITTED BY -

Kirtika Chaudhary

CH. CHARAN SINGH UNIVERSITY MEERUT

Scanned with OKEN Scanner

wave

TOPIC ________________ DATE ________

S.NO	Topic	Signature
	कला की परिभाषा	
1.	कला का इतिहास	
2.	कला का महत्व	
3.	कला का वर्गीकरण	
4.	बेबी फ्रॉक (सामग्री, विधि)	
5.	स्वेटर डिजाइन	
6.	साफ्ट टॉय	
7.	कढ़ाई	
8.	पेपर फ्रेमिंग	
9.		

CREATIVE

Teacher's Signature ________

TOPIC ______ DATE ______

अभिस्वीकृति

मैं अपने अध्यापक को धन्यवाद करना चाहुगी जिन्होने मुझे इस विषय पर परियोजना बनाने का सुनहरा अवसर दिया मैं अपने सहपाठियों व अध्यापक को भी धन्यवाद करुगी। जिन्होने मुझे सिमित समय सीमा के भीतर इस परियोजना को अंतिम रूप देने मे मेरी बहुत मदद की है।

मैं आपको धन्यवाद करना चाहुँगी।

Teacher's Signature ______

wave

TOPIC ____________________ DATE __________

कला

(आर्ट) शब्द इतना व्यापक है कि विभिन्न विद्वानों की परिभाषाओं को केवल एक विशेष पक्ष को छूकर रह जाते है। कला का अर्थ अभी तक निश्चित नहीं हो पाया है। यद्यपि इसकी हजारों परिभाषाएँ है। भारतीय परम्परा के अनुसार कला उन सारी क्रियाओं को कहते है। जिसमे कौशल अपेक्षित सी यूरोपीय शास्त्रियों ने भी कला में कौशल को महत्वपूर्ण माना है।

कला एक प्रकार का कृत्रिम निर्माण है। जिसमे शारीरिक और मानसिक कौशलो का प्रयोग होता है।

परिभाषा – अभिव्यक्ति की कुशल शक्ति ही कला है। (साकेत, पचमसर्ग)

[मैथिली शरण गुप्त के शब्दो में]

CREATIVE Teacher's Signature __________

TOPIC ______ DATE ______

कला का इतिहास

कला शब्द का प्रयोग शायद सबको पहले भारत के "नाट्यशास्त्र" मे ही मिलता है। पीछे "वात्स्यायन" और "उशनस" मे क्रमशः अपने ग्रन्थ और "शुक्रनीति" मे इसका वर्णन है।

शुक्रनीति जैन ग्रन्थ "प्रबन्धकोश" कला विलास ललित विस्तार इत्यादि सभी भारतीय ग्रन्थों में कला का वर्णन प्राप्त होता है। अधिकार ग्रन्थो में कलाओं की संख्या 64 की गई है प्रबधकोश इत्यादि में 72 कलाओं के नाम गिनाये जाते है। प्रसिद्ध कश्मीरी पंडित क्षेमेन्द्र ने अपने ग्रन्थ "कला विलास मे सबसे अधिक संख्या मे कलाओं का वर्णन किया है।

कला का महत्व

कला जीवन को "सत्यम् शिवम् सुन्दरम्" सम्पर्क करती है। इसके द्वारा ही बुद्धि, आत्मा का सत्य स्वरूप है।

Teacher's Signature ______

Topic .... Date....................

रवीन्द्रनाथ ठाकुर - के अनुसार मुख से निकला कला से मनुष्य अपने भावों की अभिव्यक्ति करता है तो प्लेटो ने कहा - " कला सत्य की अनुभूति की अनुकृति है।

टालस्टाय - के शब्दों में अपने भावों की क्रिया, रंगों, ध्वनि या शब्द द्वारा इस प्रकार अभिव्यक्ति करना ~~क्रिया~~। उसे देखना, सुनने मे भी वही भाव उत्पन्न हो जाए कला है। हृदय की गहराइयों से अनुभूति जब कला का रूप लेती है। कलाकार का अन्तर्मन आरों मूर्त ले उठा है चाहे लेखनी उसका माध्यम हो या रंगों से मिली तालिका या सुरों की पुकार या वाद्यों की झंकार कला ही आत्मिक माध्यम है। शान्ति का। यह कठिन साधना है तपस्या है इसी के माध्यम से कलाकार सुन्दरी और इन्द्रधनुषी आत्मा से विचारों को साकार रूप देता है।

Teacher's Signature ....

Vidhata High Class Products

Scanned with OKEN Scanner

Topic .... Date........................

कला का वर्गीकरण

वर्तमान समय में कला को मानविकी के अन्तर्गत में रखा जाता है। पाश्चात्य कला में जगत में दो भेद किये गये - उपयोगी कलाएँ ललित कलाएँ। पारम्परागत रूप से निम्नलिखित सात को कला कहा जाता है।

स्थापत्य कला
चित्रकला
काव्य
नृत्य
मूर्तिकला
संगीत
रंगमंच

Teacher's Signature ....

Topic .... Date............

उपरोक्त कलाओं को निम्नलिखित प्रकार में भी श्रेणीक्रम कर सकते है।

साहित्य - काव्य, उपन्यास, लघुकथा, महाकाव्य आदि।

निष्पादन - कलाएँ, संगीत, नृत्य, रंगमंच

पाक कला - बेकिंग, चाकलेटरिंग, मदिरा बनाना।

Teacher's Signature ....

Scanned with OKEN Scanner

Vrinda Topic Date 20

बेबी फ्रॉक

सामग्री – कपड़ा (किसी भी रंग), कैंची, धागा, सिलाई मशीन।

विधि – सर्वप्रथम फ्रॉक की स्कर्ट बनाने के लिए कपड़े को चकोर काट लें। उसके बाद कोने को सामने वाले कोने से मिलाए। इस प्रकार फिर से मोड़े और पैन्सिल की सहायता से नीचे की तरफ गोलाई के लिए निशान लगाए। इसके बाद स्कर्ट को दोनो साइड सिल लें ऊपर टॉप बनाने के लिए कपड़े को चकोर दो भागों में काट लें। और दोनों तरफ साइडों को मिला लें। और सिलें। इस प्रकार बेबी फ्रॉक तैयार है।

Teacher's Signature..

V. Good

Scanned with OKEN Scanner

Vrinda Topic Date 20

स्वेटर डिजाइन

सामग्री - सिलाई, ऊन (किसी भी रंग की)

विधि - सबसे पहले हमने 10 नम्बर की सिलाई में 20 फन्दे डालें। उसके बाद एक फन्दा उल्टा और एक फन्दा सीधा डालें फिर आगे आगे और पीछे करके 5 सिलाई का बोर्डर तैयार करें।
आकार के हिसाब से दो सिलाई उल्टी और सीधी करके बढ़ायें। जब छाती तक बुनाई आ जाएं फिर गले और कन्धे की घटाई करे। इसी प्रकार पीछे का हिस्सा सीधी और उल्टी सिलाई के माध्यम से तैयार कर लें। कन्धो की घटाई करके गले का और कन्धो का बॉर्डर तैयार करें। अब दोनों हिस्सों को एक-दूसरे के ऊपर रखकर सिल देते हैं। स्वेटर तैयार है।

Teacher's Signature.............................

JCH Designer

सॉफ्ट टॉय (Soft toy making)

सामग्री - सूई, धागा, कैंची, मार्कर, कार्डबोर्ड फर वाला कपड़ा, स्कीन कलर का कपड़ा, दो आँखे, एक छोटी प्लास्टिक की नाक, कैंच,

विधी - सबसे पहले कार्ड बोर्ड पर टेडी बियर बना लें। इसके बाद कार्डबोर्ड को फर वाले कपड़े पर रखकर काट लें। और इसे गोलाकार देकर काट लें। फिर इसके हाथ और पैर कार्डबोर्ड पर काटकर चिपका दें। फिर आँखे और नाक भी लगा दें। सॉफ्ट टॉय तैयार हैं।

JCH Designer
Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Vrinda Topic Date 20

कढाई

सामग्री - सूई, कपड़ा (किसी भी रंग के फेब्रिक का)

विधि - सर्वप्रथम सफेद कपड़ा लेकर चारों तरफ से मोड (तुरपाई) दें। इसके बाद पेंसिल की सहायता से फूल की आकृति बनायें और सूई में धागा डालकर फूल की पत्ती की कोने (नोक) से शुरू करे और पूरी पत्ती में टांके भरे इस प्रकार सभी पत्तियां पूरी कर लें।

Teacher's Signature...

JCH Designer

Scanned with OKEN Scanner

पेपर कटिंग फ्रेमिंग

सामग्री - रंगीन पेपर, फेवीकोल, कैंची, पैन्सिल।

विधि - सबसे पहले पेपर पर पेन्सिल की सहायता से कटिंग करने के लिए निशान लगा लें। अब पेपर के कुछ टुकड़ों को छोटे आकार में और कुछ बड़े काट लें। अब फेवीकोल लगाकर पेपर को एक कोणे से दूसरे कोने पर कोमे की आकृति में चिपकाएँ। छोटे और फिर इसी तरह बड़े आकार के कागज का फूल बनाकर तैयार है।

अथवा -

Step-1 - सबसे पहले आयताकार में कार्डबोर्ड की कटिंग करेंगे। जितनों का हमे फ्रेम तैयार करना है उतना ही कार्डबोर्ड काट लेंगे।

Step-2 - दूसरी किज मे हम थर्माकोल / कार्डबो की कटिंग करेंगे। उतना ही कार्डबोर्ड काटना है उतनी ही थर्माकोल काटेंगे पर थर्माकोल में बीच की कटिंग करेंगे

JCH Designer

Teacher's Signature..

Scanned with OKEN Scanner

Step-3 – स्तीक को पीछे से फैविकोल के इस्तेमाल से जोड़ेंगे। फिर दो स्तीक को बीच मे जोड़ के निशान की तरफ से चिपकाएंगे।

Step-4 – फ्रेमिंग तैयार होने के बाद डेकोरेशन के लिए पेपर से पलटकर काटेंगे।

Step-5 – फ्लोवर बनाने के लिए पेपर को फोल्ड करेंगे। इसमे से 6 कटिंग साथ लगाकर आयताकार निकाल लेंगे। फिर उसको फोल्ड करेंगे। फ्लोवर कट जाने के बाद फ्रेमिंग पर लगा देंगे। फ्रेमिंग को फ्लोवर से पूरी तरह डेकोरेट कर देंगे फ्रेमिंग तैयार है।

05 April

JCH INDAL Designer

Scanned with OKEN Scanner